समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास - 2 (कक्षा - 8)

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

संकलित - राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर - 8, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का निर्माण सन् 2022 में आयोजित होने वाली पीसा परीक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

सहयोग समिति :

प्राचार्य श्रीमती रंजना श्रीवास्तव, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़

प्राचार्य श्रीमती डॉ प्रीति गर्ग राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 47, चंडीगढ़

निर्माण समिति :

1. नरेंद्र सिंह, दृष्टि बाधितार्थ संस्थान, सेक्टर 26, चंडीगढ़
2. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
3. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़
4. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़
5. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़
6. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़
7. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़
8. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़
9. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
10. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
11. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
12. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़

दिशा निर्देश

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)			
	Class : 8 Part - 2 आयु वर्ग : 14 -15			
Serial No. प्रतिमान संख्या	Name of the Module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page No.
1	राजा व उसकी सन्तानें	Understand Analyze	इंटरनेट से साभार	5
2	मैरी कॉम	Understand	पत्रिका	9

		Evaluate		
3	विद्यार्थी	Remember Analyze	इंटरनेट से साभार	13
4	हमारा राष्ट्रीय खेल	Remember Evaluate	इंटरनेट से साभार	16
5	न्याय	Understand Apply	पत्रिका	19
6	सब्जी मंडी	Understand create	इंटरनेट से साभार	22
7	पृथ्वी का परिभ्रमण	Remember Apply	इंटरनेट से साभार	25
8	राजा कृष्ण देव राय की कहानी	Understand Evaluate	कहानी संग्रह	28
9	खेलों का महत्व	Understand Analyze	खेल पत्रिका	31
10	गाँव व शहर	Understand Apply	इंटरनेट से साभार	35

प्रतिमान 1

स्रोत - इंटरनेट	कक्षा - 8	भाग - 2
पाठ का प्रकार - कहानी	उप विषय (concept) : राजा व उसकी संतानें	
सीखने के प्रतिफल : 804. अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/ सुनाते हैं। 806. विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे:-जाति, धर्म, रंग ,जेंडर ,रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं। जैसे:- अपने मोहल्ले के लोगों से त्यौहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना। 807. किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं। जैसे:- अपने आसपास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं - रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती?		

एक राजा था। उसकी सात सन्तानें थीं, और सातों ही लड़कियाँ थी। जब सातवीं लड़की पैदा हुई तो उसकी रानी की मृत्यु हो गई। राजा बहुत दुखी रहने लगा और राज-काज में भी उसका मन नही लगता था। जिससे राज्य में अराजकता फैलने लगी। राजा के मंत्री ने उन्हें दूसरा विवाह करने की सलाह दी। राजा ने विवाह कर लिया पर दूसरी रानी सातों लड़कियों से बहुत ईर्ष्या रखती थी। वह तरह-तरह से उन लड़कियों को परेशान करने लगी। राजा यह देख कर बहुत दुखी होता परंतु कुछ कर नहीं पाता था। सातों लड़कियाँ आपस में एक-दूसरे से बात करके अपना दुख बाँट लिया करती थीं। एक दिन वे बहुत दुखी थीं कि अचानक उनके पास एक परी आई और उन्हें वरदान दिया कि रोजाना उन सबको एक-एक चाँदी का कटोरा और उसमें चार लड्डू मिलेंगे। अब सातों लड़कियाँ प्रसन्न रहने लगी पर जब यह बात रानी को पता लगी तो उसने राजा को तंग करना शुरू कर दिया कि इन सातों लड़कियों को जंगल में छोड़ आओ ताकि वह चाँदी के कटोरे और लड्डू उसे मिल जाएं। राजा लड़कियों को लेकर जंगल में पहुँचा और एक बेर के पेड़ के नीचे कपड़ा ओढ़ कर, यह कह कर सो गया कि तुम लोग इस पेड़ से बेर तोड़ कर खा लो और जब तुम्हारा

खूब पेट भर जाए तो मुझे उठा देना, मैं तुम्हें महल वापिस ले चलूँ गा। सभी लड़कियाँ बेर तोड़ने और खाने में इतनी व्यस्त हो गईं कि उन्हें समय का पता ही नहीं चला और शाम हो गई। जब वे राजा को जगाने लगी तो उन्हें कोई हलचल दिखाई न दी। उन्होंने जब कपड़ा हटाया तो वहाँ कोई न था। सभी लड़कियाँ घबरा गई क्योंकि जंगल में वह बिल्कुल अकेली थीं और रात होने लगी थी। सबसे बड़ी लड़की ने बाकी सभी से कहा कि डरने से काम नहीं चलेगा। चलो, हम आगे चलते हैं और कहीं न कहीं जंगल से बाहर निकल जाएंगे। सभी लड़कियाँ चलती रहीं और अंत में एक गुफा में पहुँची। गुफा में एक साधु तपस्या कर रहा था। अचानक आए अतिथियों को देखकर पहले तो वह कुछ समझ नहीं पाया पर जब लड़कियों ने आपबीती सुनाई तो उसने लड़कियों को गुफा में रात बिताने की इजाजत दे दी। सभी ने मिलजुल कर खाना पकाया और पेट भर कर सो गई। सुबह होने पर साधु उन्हें शहर की ओर ले चला। लड़कियों के लिए शहर अनजाना था पर उन्होंने जैसे-तैसे वहाँ रहने का विचार बनाया और एक मकान लेकर सभी वहाँ रहने लगीं। उधर लड़कियों के महल छोड़ देने से मानो राजा पर विपदा का पहाड़ टूट पड़ा। राज्य पर दुश्मन ने हमला कर दिया और राजा को देश निकाला दे दिया गया। राजा, रानी के साथ गली-गली भटकने लगा। इसी तरह भटकते हुए वह उस नगर में गया जहाँ उसकी सातों लड़कियाँ रहा करती थी। राजा ने छाज बेचने का कार्य शुरू कर दिया था और आवाज लगाते-लगाते वह उस गली में भी पहुँच गया जहाँ सातों लड़कियाँ रहती थीं। सबसे छोटी पुत्री को गली में आवाज लगाने वाले व्यक्ति की आवाज कुछ जानी-पहचानी लगी। वह दौड़कर गली में पहुँची तो अपने पिता को पहचान लिया। जब राजा ने अपनी सातों पुत्रियों को सही-सलामत देखा तो वह बहुत प्रसन्न हुआ और सारी आपबीती सुनाई। लड़कियों ने कहा कि कर्मों की सजा जरूर मिलती है। जहाँ परिवार में लालच आ जाता है वहाँ विनाश अवश्य होता है। राजा ने अपनी संतानों से माफी माँगी और सभी मिलजुल कर रहने लगे।

1. क्या राजा का व्यवहार अपनी संतान के प्रति ठीक था?
2. लड़कियों के महल छोड़ देंने पर राजा पर कौन सी विपदाएँ आई?
3. यदि आप पर इस तरह की कोई विपदा आए तो आप क्या करेंगे?
4. प्रतिदिन एक लड़की को चार लड्डू मिलते हैं एक साल में सातों लड़कियों को कुल कितने लड्डू मिल गए होते?
5. सातों लड़कियों को परी द्वारा रोजाना सात कटोरे दिए जाते थे। यदि परी मार्च से दिसंबर तक आती तो बहनों के पास कितने कटोरे जमा हो गए होते?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	सरल
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1. Full Credit : नहीं

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : दुश्मन ने हमला किया व राजा को देश निकाला दे दिया

   No Credit : अन्य विकल्प

3. Full Credit : कोई एक : मनोबल रखेंगे/ आशावादी रहेंगे/ झरिया रखेंगे/ कोई संगत तर्क

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : 10,220 रुपए

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : 306 रुपए

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 2

स्रोत - पत्रिका	कक्षा - 8	भाग - 2
पाठ का प्रकार -निबंध	उप विषय (concept) : मैरी कॉम	
सीखने के प्रतिफल : 803. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। 808. विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे:- कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं। 819. दैनिक जीवन से अलग किसी घटना /स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। जैसे:- सोशल मीडिया पर, नोटबुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि ।		

अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति की बदौलत मैरीकॉम ने बेहद सम्मान प्राप्त किया। जिसे पाने के लिए लोगों को कई जन्म लेने पड़ते हैं। यह सफलता केवल मैरी कॉम की ही नहीं, वरन भारत की समस्त माताओं और बहनों की है, जो देश के लिए कुछ करने की चाहत रखती हैं।मैरी कॉम ने अपने संघर्ष और तत्पश्चात अर्जित सफलता से भारतीय महिलाओं के समक्ष देश के लिए कुछ कर गुज़रने का एक जीता-जागता उदाहरण पेश किया है। उत्तर-पूर्व स्थित सात राज्य - मेघालय, मणिपुर, मिज़ोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और असम अपने प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ सप्त भगिनी राज्य के रूप में जाने जाते हैं। इन्हीं में से एक है मणिपुर। इस राज्य की मिट्टी में जन्म लेने वाली एम०सी० मैरीकॉम ने बॉक्सिंग के विश्व ख़िताब जीतने के बाद पूरे देश का गौरव बढ़ाया। पाँच बार की इस विश्व महिला बॉक्सिंग चैंपियन का पूरा नाम है- मंगते

चुंगनिजंग मैरी कॉम। 1 मार्च,1983 को मणिपुर के सामूलामलन गाँव के एक निर्धन परिवार में जन्म लेने वाली मैरी कॉम की बॉक्सिंग चैंपियन बनने तक की यात्रा मुश्किलों से भरी किंतु अत्यंत रोचक है। मैरी की प्रारंभिक शिक्षा मणिपुर के मोइरंग स्थित लोकटक क्रिश्चियन मॉडल स्कूल और सेंटर ज़ेवियर स्कूल में हुई। किंतु मैरी की दिलचस्पी पढ़ाई-लिखाई में कम और एथलेटिक्स विशेषकर बॉक्सिंग में अधिक थी। एच०एस०एल०सी की परीक्षा में असफल होने के बाद मैरी ने अपना पूरा ध्यान बॉक्सिंग में लगा दिया। उसकी प्रतिभावान लगन को देखते हुए तीन प्रशिक्षकों इबो माचा, नर जीत सिंह और किशन सिंह ने उसे प्रशिक्षण देना आरंभ कर दिया। मणिपुर में इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन के अधिकारी खोइबी सलाम ने उन्हें प्रोत्साहित किया। मैरी ने अपनी लगन, निष्ठा और परिश्रम से बॉक्सिंग में महारत हासिल की और अपने प्रशिक्षकों की कसौटी पर खरी उतरीं। सन 2000 में राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता जीतने के बाद मैरीकॉम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने ताइवान में आयोजित थर्ड एशियन चैंपियनशिप, तुर्की में आयोजित 'वुमन्स वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप' जीती। हंगरी व नार्वे में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने जीत दर्ज की। ये सभी सफलताएं उनके लिए मानो कोई छुपा हुआ ख़ज़ाना मिल जाने के समान थीं। अत्यधिक निर्धन परिवार में जन्मी इस लड़की ने अपना बचपन मूलभूत सुविधाओं के अभाव में और पेट भरने की ख़ातिर संघर्ष में बिताया था। मॉस्को में 2009 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला मुक्केबाज़ी प्रतियोगिता में 46 किलोग्राम वज़न की श्रेणी में जीत हासिल करने के बाद मैरी खेल क्षेत्र की जानी पहचानी शख़्सियत बन गई। मैरी अर्जुन अवार्ड (2004), पद्म श्री (2006), राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार (2009), और पद्मभूषण (2013) से सम्मानित भारत की प्रथम महिला बॉक्सर हैं। लंदन ओलंपिक (2012) में मैरीकॉम को अपने भार वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त हुआ। मैरी कॉम को 2016 में राज्य सभा का सदस्य मनोनीत किया गया है। मैरी का मानना है कि जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण का एक विशेष महत्व होता है,

जिसे उन्होंने कभी नहीं छोड़ा। मैरीकॉम के जीवन पर एक फ़िल्म का सफल निर्माण भी हो चुका है। मैरी महिला खिलाड़ियों के साथ-साथ उन भारतीय महिलाओं के लिए भी एक आदर्श और जीवंत उदाहरण बन गई हैं, जो माँ बनने के बाद अपने आपको गृहस्थी तक सीमित कर लेती हैं। वे मणिपुर ही नहीं अपितु पूरे भारत में युवा एवं प्रतिभावान युवतियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

1. मैरी कॉम की सफलता किन लोगों के लिए आदर्श स्थापित करती है?
2. उत्तर-पूर्व में स्थित सात राज्य किस नाम से जाने जाते हैं?
3. मैरी कॉम को किन-किन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया?
4. वर्तमान समय में भारत के कितने राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश है?
5. मैरी कॉम के जन्म के वर्ष तथा राज्य सभा के सदस्य मनोनीत होने वाले वर्ष के मध्य अंतर बताइए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	सरल
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	वर्णनात्मक	सरल
4	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
5	विश्लेषण	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1. Full Credit : उन महिलाओं के लिए आदर्श स्थापित करती है जो मां बनने के बाद अपने आप को गृहस्थी तक सीमित कर लेती हैं

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : सात भगिनी राज्य

   No Credit : अन्य उत्तर

3. Full Credit : अर्जुन अवार्ड, पदम् श्री राजीव गाँधी खेल रत्न अवार्ड, पदम् भूषण ,लन्दन ओलिंपिक में अपने भार जितना कांस्य पदक

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : 28 राज्य व 8 केंद्र शासित प्रदेश

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : 33 वर्ष

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 3

स्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 8	भाग - 2
पाठ का प्रकार - निबंध	उप विषय (concept) : विद्यार्थी	
सीखने के प्रतिफल 803. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। 807. किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं। जैसे:- अपने आसपास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं - रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती? 814. अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।		

विद्यार्थी शब्द दो शब्दों के मेल से बना है- विद्या+अर्थी, जिसका अर्थ है-विद्या पाने वाला व्यक्ति, विद्या का अभिलाषी, ज्ञानार्जन की आकांक्षा रखने वाला। भारतीय संस्कृति में मानव जीवन को चार आश्रमों में विभक्त किया गया था- ब्रह्मचर्य आश्रम, गृहस्थ आश्रम, वानप्रस्थ आश्रम और संन्यास आश्रम। ब्रह्मचर्य आश्रम ही विद्यार्थी जीवन है जो जन्म से 25 वर्ष तक की आयु तक रहता है। यह अवस्था ज्ञान प्राप्त करने की है। 'अनुशासन' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- अनु+शासन अर्थात् शासन के पीछे चलना, नियमबद्ध जीवन यापन करना। मानव जीवन की नींव विद्यार्थी जीवन में ही सुदृढ़ की जा सकती है। अनुशासन की नींव भी इसी काल में रखी जाती है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की नितांत आवश्यकता होती है क्योंकि विद्यार्थी जीवन में जो विचार, संस्कार, गुण या अवगुण विकसित हो जाते हैं, वे जीवन भर हमारा साथ नहीं छोड़ते इसलिए प्राचीन काल में विद्यार्थी को गुरुकुलों में गुरु के कठोर अनुशासन में रखा जाता था। दुर्भाग्य से आज का विद्यार्थी अनुशासनहीन है। वह न तो अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करता है और न ही अपने गुरुजनों की। आज की शिक्षा पद्धति में नैतिक मूल्यों का कोई स्थान नहीं है। पहले तो विद्यार्थी दंड के भय से अनुशासित रहता था पर अब तो उसका भी भय नहीं

रहा। फिर विदेशी संस्कृति, फैशन तथा राजनैतिक तत्व भी विद्यार्थी को अनुशासनहीन बना रहे हैं। आदर्श विद्यार्थी का लक्ष्य केवल विद्या प्राप्ति है। विद्यार्थी को बगुले जैसा ध्याननिष्ठ, कुत्ते जैसा कम सोने वाला, अल्पाहारी तथा विद्या प्राप्ति के लिए घर को त्याग कर सकने वाला होना चाहिए। विद्यार्थी का संयमी, विनयशील, आज्ञाकारी, परिश्रमी तथा सदाचारी होना भी आवश्यक है। यह सभी गुण अनुशासन के नियमों का पालन करने से ही आते हैं। राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए सभी नागरिकों को अनुशासित होना चाहिए। अनुशासन केवल विद्यार्थी के लिए ही अनिवार्य नहीं होता अपितु प्रत्येक मानव और प्रत्येक प्राणी के लिए यह आवश्यक है। इससे समाज में शांति बनी रहती है, न्याय-व्यवस्था दृढ़ होती है और समाज समृद्धि की ओर अग्रसर होता है।

1. विद्यार्थी शब्द किन दो शब्दों के योग से बना है तथा उसका क्या अर्थ है?
2. सुधीर की 24 वर्ष में नौकरी लग गई। दो वर्ष बाद उसके माता-पिता जी ने उनका विवाह कर दिया। तो बताएं सुधीर किस आश्रम में प्रवेश कर गया?

   क) ब्रह्मचर्य आश्रम ख) गृहस्थ आश्रम

   ग) वानप्रस्थ आश्रम घ) संन्यास आश्रम
3. यदि एक संयुक्त परिवार के 8 सदस्य 50 वर्ष से ऊपर आयु के हैं, 7 सदस्य 20 वर्ष की आयु तक है और 2 सदस्य 5 वर्ष तक की आयु के हैं। तो बताएं ब्रह्मचर्य आश्रम के अंतर्गत परिवार के कितने सदस्य हैं?
4. एक मनुष्य का दिल एक मिनट में लगभग 70 से 100 बार धड़कता है वही कुत्ते का 60 से 140 बार धड़कता है। यदि शशांक के दिल की धड़कन 90 प्रति मिनट है और उसके कुत्ते मोती का दिल 120 बार प्रति मिनट धड़कता है, तो 3 मिनट में दोनों की दिल धड़कने की संख्या में कितना अंतर होगा?

5. रामलाल आलस्य के कारण अपनी सब्जी की दुकान कभी 11:00 बजे खोलता है, कभी 3:00 बजे, तो कभी दुकान खोलता ही नहीं। तो क्या उसके पक्के ग्राहक होंगे? पक्ष या विपक्ष में उत्तर दें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विवेचन	व्याख्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक / व्याख्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	वर्णनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1. Full Credit : विद्या +अर्थी, विद्या पाने वाला व्यक्ति

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : गृहस्थ

   No Credit : अन्य विकल्प

3. Full Credit : 9 सदस्य

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : 90

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : नहीं, कोई सांगत तर्क

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 4

स्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 8	भाग - 2
पाठ का प्रकार - निबंध	उपविषय - हमारा राष्ट्रीय खेल	
सीखने के प्रतिफल 804. अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/ सुनाते हैं। 807. किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं। जैसे:- अपने आसपास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं - रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती? 814. अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।		

हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है क्योंकि हॉकी के खेल ने वर्ष 1928 से 1956 तक के स्वर्ण काल में भारत को 6 ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाए। विश्व में भारत का सिर ऊँचा किया था। इस विजय में श्री ध्यान चंद जी ने मुख्य भूमिका निभाई। इस कारण इन्हें हॉकी का जादूगर कहा जाता है। भारत में यह खेल अंग्रेज़ी शासन काल में प्रचलित हुआ। फौजियों और पुलिस अधिकारियों ने इसमें विशेष रुचि ली। अब तो इस खेल का इतना अधिक विस्तार हो चुका है कि विश्व के सारे देश इसे खेलते हैं। सूबेदार मेजर बाला तिवारी ने भारत में हॉकी के खेल की नींव रखी, तो ध्यान चंद तथा के.डी. सिंह बाबू नामक दो खिलाड़ियों ने हाथी में भारत की सर्वश्रेष्ठता का झंडा फहराया। ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त को इलाहाबाद के राजपूत परिवार में हुआ था। बाद में अपने पिता भाई रूपसिंग के साथ झांसी नगर में आकर बसे। 17 वर्ष की उम्र में ध्यानचंद फौज में आए। वे ब्राह्मण रेजिमेंट में सिपाही सिपाही के रूप में तैनात हुए। अपनी ड्यूटी के बाद ये चांदनी रात का इंतजार करते थे ताकि रोशनी में यह मैदान को देख सके। यहां सूबेदार मेजर बाला तिवारी ने उन्हें खेलते देखा और उनकी प्रतिभा को पहचाना।फिर तो उनके लिए अवसर और सफलता के द्वार खुल गए। ध्यानचंद श्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में के रूप में चमक उठे। सन 1926

में उन्हें सेना की टीम में शामिल कर न्यूजीलैंड के दौरे पर भेजा गया। भारतीय टोली के सदस्य के रूप में उन्होंने प्रतियोगिता में हॉकी के जादू दिखाएं। लोग ऐसा भी शक जताने लगे कि उनकी हॉकी में चुंबक लगी है, जिसके कारण गेंद उनकी हॉकी से चिपकी रहती है और वे गोल पर गोल दाग देते हैं, किंतु छड़ी बदलने पर भी हॉकी के जादूगर के जादू में कोई कमी नहीं आई। ध्यानचंद की खेल ऊंचाइयों को देखकर उन्हें लॉस एंजेल्स और बर्लिन ओलंपिक प्रतियोगिता में टीम का कप्तान बनाया गया। ध्यानचंद की खेल प्रतिभा को देखकर हिटलर ने उन्हें अपनी टीम में आने के लिए बड़े पद की पेशकश भी की परंतु उन्होंने इंकार कर दिया। सन 1934 में दिल्ली में पहली बार होने वाले पश्चिमी एशियाई देशों के खेल में भी वे राष्ट्रीय हॉकी टीम के नायक रहे। उन्होंने अपने अंतर्राष्ट्रीय कैरियर में 400 से अधिक गोल किए सन 1948 में उन्होंने अंतिम हॉकी मैच खेला। आजादी के बाद स्वाधीन भारत की सरकार ने उन्हें यथोचित मान सम्मान दिया सन 1956 में आप को 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया। 3 दिसंबर 1979 को 74 वर्ष की आयु में ये संसार से विदा ले गए। दादा ध्यानचंद की स्मृति में उनकी जन्मतिथि को हर वर्ष खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

1. 17 वर्ष की आयु में ध्यानचंद फौज में आए अगर 1 वर्ष में 365 दिन होते हैं 17 वर्ष में कितने दिन होंगे?
2. उन्होंने अपने कैरियर में 400 से अधिक गोल किए है। मान लो यदि उन्होंने 1 वर्ष में 50 गोल किए तो उन्हें 400 गोल करने में कितने वर्ष लगें होंगे?
3. भारत सरकार द्वारा हॉकी के जादूगर को कब व कौन सा सम्मान दिया गया ?
4. भारत का राष्ट्रीय खेल कौन सा है ?

   क) क्रिकेट ख) फुटबाल ग) हॉकी घ) शतरंज

5. आज की भागदौड़ भरी व्यस्त जीवनशैली में 'फिट इंडिया अभियान' की आवश्यकता क्यों पड़ी? अपने विचार व्यक्त करें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तार्किक	औसत
2	विश्लेषण	तार्किक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक व्याख्यात्मक	सरल
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	सरल
5	व्यापक समझ	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1. Full Credit : 6205 दिन

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : 8 वर्ष

   No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit :सन 1956 में पदम् विभूषण

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : ग (हॉकी)

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : ताकि मनुष्य व्यायाम करके स्वस्थ रह सकें

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 5

स्रोत - पत्रिका	कक्षा - 8	भाग - 2
पाठ का प्रकार - कहानी	उप विषय (concept) : न्याय	
सीखने के प्रतिफल : 804. अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/ सुनाते हैं। 807. किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं। जैसे:- अपने आसपास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं - रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती? 814. अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।		

वेंकट नाम का एक ब्राह्मण था। उसने बड़ी मेहनत से एक हजार स्वर्ण मुद्राएं इकट्ठी की थी। उसने चार धाम पर जाने की सोची, परंतु स्वर्ण मुद्राएं कहाँ रखें? यह प्रश्न उसके सामने था। वेंकट राघव सेठ के पास गया। उसने सेठ से स्वर्ण मुद्राएं रखने की बात की। सेठ मान गया। वेंकट एक हजार स्वर्ण मुद्राएं राघव सेठ के पास रख कर निश्चिंत होकर तीर्थ यात्रा पर चला गया। राघव सेठ भलामानुष नहीं था। उसने सिली हुई थाली को खोलकर देखा। उसमें एक हजार स्वर्ण मुद्राएं थी। उसकी आँखें खुली की खुली रह गई। घर में आया माल वापस चला जाए, यह राघव का उसूल नहीं था। उसने स्वर्ण मुद्राएं हज़म कर जाने का निश्चय किया। जब वेंकट यात्रा से लौटा तो सीधा राघव सेठ के पास गया। राघव सेठ ने उसे उसकी थैली ज्यों की त्यों ही वापस कर दी; पर घर जाकर जब वेंकट ने थैली खोली तो उसमें स्वर्ण मुद्राओं के स्थान पर लोहे के सिक्के देखकर हैरान हो गया। वह उल्टे पाँव भागा। सेठ ने उसे डाँट दिया और एक हजार स्वर्ण मुद्राएं ठगने का आरोप लगाकर वेंकट को भगा दिया। वेंकट राजा कृष्णदेव राय के पास गया। राजा ने सारी कहानी सुनी। राजा ने तेनालीराम को न्याय करने के लिए कहा।तेनालीराम ने राज्य के सभी दर्जियों को बुलवाया और उनको थैली सिलने के लिए कहा। जिस की थैली बिल्कुल ठीक होगी उसे

एक सौ स्वर्ण मुद्राएं पुरस्कार देने को भी कहा है। सब दर्जियों ने थैलियाँ सिली। एक दर्जी की थैली बिल्कुल वेंकट की थैली के समान थी।दोनों में कोई अंतर न था। तेनालीराम ने समान थैली सिलने वाले दर्जी को बुलवाया और पूछा," क्या तुमने पहले भी कभी ऐसी थैली सिली है। तब दर्जी ने कहा,"कुछ समय पहले राघव सेठ के लिए ऐसी थैली सिली थी।" तेनालीराम ने उसी समय राघव सेठ को बुलवाया और वेंकट की एक हजार स्वण मुद्राओं के बारे में पूछा तो राघव सेठ ने साफ इंकार कर दिया। जब दर्जी को सामने लाया गया तो उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। तेनालीराम ने राघव सेठ को एक हजार स्वर्ण मुद्राएं वेंकट को वापस देने, झूठ बोलने के अपराध के कारण चार सौ स्वर्ण मुद्राएं राज्य कोष में जमा करवाने और एक सौ स्वण मुद्राएं दर्जी को देने के लिए कहा।

1. चार धाम की यात्रा से क्या भाव है। ब्राह्मण चार धाम की यात्रा पर क्यों जाना चाहता था?
2. वर्तमान समय में स्वर्ण मुद्राएं तो नहीं है पर जो सिक्के प्रचलन में है, वह मुख्य रूप से किस धातु से बनते हैं?
3. ब्राह्मण के पास जो स्वर्ण मुद्राएं थीं उनमें एक मुद्रा का मूल्य ₹265 था तो बताओ सेठ राघव को जुर्माने के रूप में कुल कितनी मुद्राएँ देनी पड़ी और उनका मूल्य कितना था?
4. आपको 12 ग्राम की सोने की माला बनवानी है। प्रति ग्राम सोने का मूल्य 3721 रुपए है। आपने सुनार को ₹50,000 दिए तो वह आपको कितने रुपए वापस करेगा?
5. सेठ राघव ने ब्राह्मण को धोखा दिया, यह भ्रष्टाचार रुपी विसंगति है। आपके विचारानुसार भ्रष्टाचार हमारे देश के विकास में किस प्रकार बाधक है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	कठिन
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	कठिन
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1. Full Credit : बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी और रामेश्वरम की यात्रा |

   ताकि मोक्ष पा सके

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : कोई एक : स्टील,निकल,कॉपर

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3. Full Credit : 132,500 रूपए

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : 5348 रूपए

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : भ्रष्टाचार उन्नति में बाधक है क्योंकि भ्रष्टाचारी स्वयं के बारे में सोचता है, देश के बारे में नहीं सोचता

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 6

स्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 8	भाग - 2
पाठ का प्रकार - कविता	उप विषय (concept) : सब्जी मंडी	
सीखने के प्रतिफल : 808. विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे:- कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं। 810. विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों,लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं। 811. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं। जैसे:- वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।		

कल एक महिला सब्जी मंडी जाकर सब्जी वाले से बोली - भैया ! एक करेला, एक भिंडी, एक टमाटर, एक आलू और दे दो एक पालक की पत्ती। सब्जी वाला बोला, ऐं..... क्या कह रही हो रामरत्ती ? एक-एक नग में से क्या खाओगी? क्या पकाओगी?	महिला बोली: आज की इस महँगाई में किसको पकाना? किसको खिलाना है? अरे हमें तो..... केवल 'शोकेस' सजाना है। ताकि आने वाली पीढ़ी को, सप्रमाण बता सकें कि मियाँ.....हम भी खाते थे सब्जियाँ।

1. इस कविता में ..... की समस्या को उजागर किया गया है?
2. महिला ने ऐसा क्यों कहा कि वह सब्जियाँ 'शोकेस' में सजाना चाहती है?
3. रामरत्ती ने 500 ग्राम करेला, 1 किलो टमाटर, 250 ग्राम भिंडी, 5 किलो आलू खरीदे। उसने कितने रुपए दुकानदार को दिए? यदि सब्जियों का मूल्य है :

क्रमांक	**सब्जियाँ**	**मूल्य (प्रति किलो)**
क	करेला	50
ख	टमाटर	40
ग	भिंडी	60
घ	आलू	30

4. बूझो तो जाने :

हरी थी मन-भरी थी, लाख मोती जड़ी थी।

राजाजी के बाग में, दुशाला ओढ़े खड़ी थी।।

5. आपके अनुसार सब्जियाँ खाने से हमें क्या लाभ मिलता है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	सृजन	तार्किक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक / व्याख्यात्मक	औसत
4	सृजन	रचनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1. Full Credit : महंगाई

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : नई पीढ़ी को सब्जियां खाने के बारे में सप्रमाण बताना

Partial Credit : संगत मेल खता तर्क

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : 230 रूपए

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : भुट्टा / छल्ली

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : पोषक तत्वों की प्राप्ति

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 7

स्रोत - इंटरनेट से साभार	कक्षा - 8	भाग - 2
पाठ का प्रकार - अनुछेद	उप विषय (concept) : पृथ्वी का परिभ्रमण	
सीखने के प्रतिफल : 804. अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/ सुनाते हैं। 818. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं। जैसे:- विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना। 819. दैनिक जीवन से अलग किसी घटना /स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। जैसे:- सोशल मीडिया पर, नोटबुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि ।		

पृथ्वी के चारों ओर परिभ्रमण करते हुए चंद्रमा भी पृथ्वी के साथ-साथ सूर्य का परिभ्रमण करता है। इन्हीं दोनों परिभ्रमणों से वर्ष और मास की गणनाएं होती हैं। सामान्यतः 30 दिनों के महीने होते हैं, जिन्हें चंद्रमा की वार्षिक गति को बारह महीनों में विभाजित करके निर्धारित किया जाता है। तीस दिनों में पंद्रह-पंद्रह दिनों के दो पक्ष होते हैं। जिन पंद्रह दिनों में चंद्रमा बढ़ते-बढ़ते पूर्णिमा तक पहुंचता है, उसे शुक्लपक्ष और जिन पंद्रह दिनों में चंद्रमा घटते-घटते अमावस्या तक जाता है, उसे कृष्णपक्ष कहते हैं। इसी तरह एक वर्ष के बारह महीनों में छह-छह माह के दो अयन होते हैं। जिन छह महीनों में मौसम का तापमान बढ़ता है, उसे उत्तरायण और जिन छह महीनों में मौसम का तापमान घटता है, उसे दक्षिणायन कहते हैं। अंग्रेज़ी कैलेंडर की वार्षिक गणना सूर्य के चारों ओर पृथ्वी के परिभ्रमण की अवधि के अनुसार तीन सौ पैंसठ दिनों की होती है। इसके महीनों की गणना पृथ्वी के चारों ओर चंद्रमा के परिभ्रमण पर आधारित नहीं है। इसमें वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिनों को ही बारह महीनों में विभाजित किया गया है। इस कैलेंडर की सभी महीने तीस-तीस दिन के नहीं होते। अप्रैल, नवंबर, जून, सितंबर इनके दिन तीस हैं। फरवरी है अट्ठाइस दिन की, बाकि सब इकत्तीस दिन के।

1. शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष में कितने दिनों का अंतर होता है?

   क) एक ख) तीस ग) पंद्रह घ) सात

2. जिन छह महीनों में मौसम का तापमान बढ़ता है, उसे क्या कहते हैं?

3. सूर्य के चारों और परिभ्रमण करते हुए यदि पृथ्वी चार चक्कर लगाती है, तो यह प्रक्रिया कितने दिनों में पूरी होगी?
4. यदि आपको 1 जनवरी 2019 से 30 अप्रैल 2019 तक विदेश भेजा जाए, तो बताइए कि आप कुल कितने दिन विदेश में रहेंगे?
5. चंद्र ग्रहण कब लगता है? इससे जुड़ी रूढ़ियों से आप कहां तक सहमत हैं? अपने विचार दें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विवेचन	बहुविकल्पीय	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
4	विश्लेषण	तार्किक	सरल
5	सृजन	वर्णनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1. Full Credit : 15 दिन

   No Credit : अन्य उत्तर

2. Full Credit : उत्तरायण

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट

3. Full Credit : 1461 दिन

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट

4. Full Credit : 120 दिन

   No Credit : अन्य उत्तर

5. Full Credit : जब पृथ्वी, चांद और सूर्य के मध्य आती है

No Credit : असंगत/अस्पष्ट

प्रतिमान 8

स्रोत - कहानी संग्रह	कक्षा - 8	भाग - 2
पाठ का प्रकार - कहानी	उप विषय (concept) : राजा कृष्णदेव राय की कहानी	
सीखने के प्रतिफल : 811. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं। जैसे:- वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि। 812. विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/ सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं। 815. पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित या ब्रेल भाषा में अभिव्यक्ति करते हैं।		

एक दिन राजा कृष्णदेव राय कुछ दरबारियों के साथ घूमने निकले। राजधानी के बाजारों और मंदिरों के सामने भिखारियों की भारी भीड़ थी। यह देख राजा बहुत चिंतित हुए। उन्होंने आकर दरबारियों से पूछा, तो वे बोले - महाराज! विजय नगर में भिखारियों की संख्या काफी बढ़ती जा रही है। क्या हमारी शासन व्यवस्था ठीक से नहीं चल रही ? भला इतने लोगों को भीख क्यों मांगनी पड़ रही है? सुनकर सब चुप हो गए किसी की समझ में नहीं आया कि इस सवाल का क्या जवाब दिया जाए। कुछ देर बाद राजा ने तेनालीरामन को बुलाकर कहा- तेनालीरामन, जरा पता करना कि हमारे राज्य में भिखारियों की संख्या बढ़ती क्यों जा रही है? तेनाली रामन बोला - महाराज, इसके लिए मुझे सात दिन की छुट्टी चाहिए। मैं आपके सवाल का जवाब ढूंढ लूँगा। तेनालीरामन की बात सुनकर राजा हंस पड़े बोले - ठीक है, पर सात दिन के अंदर मेरे सवाल का जवाब मिल जाना चाहिए। एक-एक करके छह दिन बीत गए राजा को उत्सुकता थी कि भला तेनालीरामन क्या कर रहा होगा? उन्होंने दरबारियों से पूछा तो सभी मुंह फेर कर हंसने लगे। आखिर पुरोहित ने कहा - महाराज ! वाकई तेनाली रामन भीख मांग रहा था, हमने खुद अपनी आंखों से उसे भीख मांगते देखा है, अब तो उसे राजदरबार की प्रतिष्ठा की भी परवाह नहीं रही।

राजा को क्रोध आ गया - अच्छा! तो अब तेनालीरामन ने भीख मांगना भी शुरू कर दिया? उन्होंने सभी भिखारियों को दरबार में उपस्थित होने का आदेश दे दिया। राजा के पूछने पर उनमें से आगे वाला भिखारी बोला - महाराज, भीख मांगकर पहले ही मुश्किल से गुजारा होता था, ऊपर से उसमें से न जाने किस-किस का हिस्सा! राजा ने पूछा - हिस्सा? इसका क्या मतलब है? भिखारी बोला- इसका उत्तर हम नहीं, राज्य का सबसे बड़ा भिखारी दे सकता है। जो हम सब से भीख मंगवाता है। कौन है सबसे बड़ा भिखारी ? राजा ने चिल्लाकर कहा। भिखारी बोला- यह मंत्री जी बताएंगे। मंत्री बोला - महाराज यह भिखारी पता नहीं क्या उल्टा-सीधा बोल रहा है। आप इसकी बात मत सुनिए। मंत्री आगबबूला होकर बोला। एक अन्य भिखारी बोला- ठीक है महाराज! आप उस भिखारी की बात चाहे मत सुनिए पर मेरी बात तो आपको माननी पड़ेगी। कहते-कहते भिखारी के वेश में आए तेनालीरामन ने अपना चोगा उतार फेंका। महाराज हैरान हो उठे। अब तेनाली रामन बोला- महाराज! इनके बीच रहकर मैंने सबसे बड़े भिखारी को खोज निकाला है। मंत्री जी बताएंगे, उन्होंने उसे कहां छुपा दिया है? वरना.....! सुनकर मंत्री जी के चेहरे की हवाइयां उड़ने लगीं। उसने मान लिया कि उसका दूर का रिश्तेदार रघुराज ही सब भिखारियों से भीख मंगवा है और भीख का हिस्सा रघुराज और मंत्री आपस में बांट लेते हैं। महाराज की ओर से रघुराज को तुरंत गिरफ्तार करने का आदेश हुआ। मंत्री को कड़ी फटकार और सजा का ऐलान हुआ। उसने आगे से गलत लोगों का साथ ना देने की कसमें खाईं। हर कोई तेनाली रामन की प्रशंसा कर रहा था। धीरे धीरे राज्य से सब भिखारी गायब होते चले गए।

1. तेनाली रामन किस राजा के दरबार में कार्यरत थे ?
2. तेनाली रामन 7 दिन भिखारियों के बीच क्यों रहना चाहते थे?
3. यदि एक मंदिर के सामने बैठा एक भिखारी लगभग ₹150 एक दिन में कमा लेता है तो ऐसे 17 मंदिरों के बाहर बैठे 12-12 भिखारी कुल कितने रुपए कमा लेते होंगे?

4. क्या बच्चों से भीख मंगवाना सही है? सरकार को इसके लिए क्या कदम उठाने चाहिए?
5. क्या आपको भी ऐसा लगता है कि भिखारियों से भीख मंगवाने के पीछे धूर्त लोग होते हैं, जो इस तरह के गिरोह चलाते हैं। अपने तथ्य की पुष्टि करें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	विश्लेषण	तार्किक	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1. Full Credit : राजा कृषणदेव राय

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट

2. Full Credit : भिखारियों की बढ़ती जनसंख्या का कारण जान सके

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट

3. Full Credit : 30600 रूपए

   No Credit : अन्य उत्तर

4. Full Credit : नही, बाल विकास योजनाएं

   Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : हां, संगत व तार्किक उत्तर

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 9

स्रोत - खेल पत्रिका	कक्षा - 8	भाग - 2
पाठ का प्रकार - चित्र लेख	उप विषय (concept) : खेलो का महत्व	
सीखने के प्रतिफल : 801. विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं। जैसे:- पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर, पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं। 808. विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे:- कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं। 812. विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/ सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं।		

आज मनुष्य खेल के महत्व को नकार नहीं सकता। आज के युग में खेल, जीवन की नियमित आवश्यकता बन चुका है। खेलता हुआ बालक ही हमें सबसे अधिक भाता है। उसकी यही खेलकूद वाली गतिविधि उसकी मांसपेशियों को निरंतर सशक्त और हृष्ट-पुष्ट बनाने में सहायक होती है। खेल हमारे जीवन को सदैव प्रसन्न बनाए रखते हैं। इनसे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। यह हमारे तन और मन दोनों का समुचित विकास करते हैं। खेलने से शरीर में चुस्ती-स्फूर्ति बनी रहती है। जिस प्रकार हमारे मानसिक विकास के लिए शिक्षा की आवश्यकता होती है उसी प्रकार स्वस्थ शारीरिक गठन के लिए खेल भी आवश्यक है। खेलों के माध्यम से व्यक्ति विशेष में क्षमा, दया, स्वाभिमान, आज्ञा-पालन तथा अनुशासन जैसे उच्च गुणों का समावेश होता चला जाता है। यहाँ तक कि सामूहिक रूप से खेल को खेलते-खेलते व्यक्ति में समरसता का भाव गहराई तक अपनी जड़ें फैलाता जाता है, जो कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए अत्यंत आवश्यक है। हालांकि पहले के समय में लोग खेल को इतना महत्व नहीं देते थे। उनके अनुसार

खेल समय की बर्बादी का ज़रिया था लेकिन आज हर व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल चुका है। आधुनिक समाज खेल की उपयोगिता से अवगत है। आज लोग खेलों को अपना पेशा भी बनाने लगे हैं। आज खेलों की दुनिया में तेंदुलकर, पेल, माराडोना, गावस्कर, सानिया मिर्ज़ा आदि अनेक ऐसे नाम हैं जो आज के युवा वर्ग के लिए मिसाल बनकर उपस्थित हुए हैं। खेलों के महत्व की चर्चा करते हुए हमें यह बात बिल्कुल भी नहीं भूलनी चाहिए कि खेलों के द्वारा ही व्यक्ति रंग-भेद, जाति, धर्म आदि बातों को भुलाकर भावनात्मक धरातल पर एक-दूसरे से जुड़ता ही चला जाता है। इसी समरसता की भावना में डूबकर व्यक्ति लंबी आयु का वरदान प्राप्त करता है।

निम्नलिखित ग्राफ ने चंडीगढ़ शहर के लड़के और लड़कियों द्वारा खेले गए खेल का विवरण (%में) है

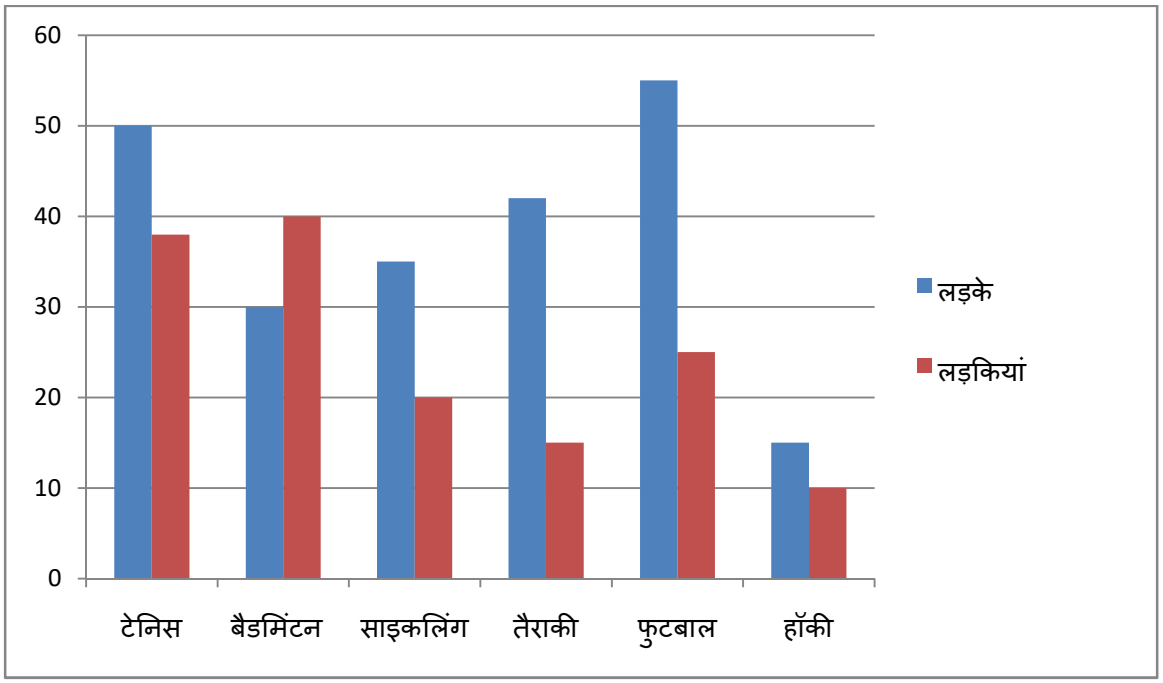

1. भारत का राष्ट्रीय खेल किसे कहा जाता है ?
2. साइकलिंग करते समय हमें कौन-कौन सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए? कोई दो सावधानियाँ लिखिए।

3. खेलों के माध्यम से कौन-कौन से नैतिक गुणों का विकास हो सकता है?

4. बार ग्राफ के अनुसार लड़कों का सर्वाधिक प्रिय खेल और लड़कियों का सर्वाधिक प्रिय खेल कौन-कौन से है।

   क) टेनिस, तैराकी ख) फुटबॉल, बैडमिंटन

   ग) साइकलिंग, टेनिस घ) फुटबॉल, तैराकी

5. आपकी कक्षा में 18 लड़कों का प्रिय खेल क्रिकेट है और 12 लड़कियों का प्रिय खेल बैडमिंटन है। कक्षा में कुल विद्यार्थियों की संख्या ज्ञात करें, यदि बैडमिंटन खेलने वाली लड़कियाँ कक्षा की मात्र 20% है।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विवेचन	व्याख्यात्मक	औसत
3	सृजन	रचनात्मक	औसत
4	सृजन	बहुविकल्पीय	औसत
5	सुचना की पुनः प्राप्ति	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1. Full Credit : हॉकी

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : कोई दो : सतर्क रहना, पार्क की गई गाड़ियों के प्रति सतर्कता, मुड़ने से पहले दाएं बाएं देखना, यातायात नियमों का पालन

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट

3.	Full Credit	: कोई दो : नेतृत्व, भाईचारा, समूह भावना, स्वावलंबन, समन्वय या अन्य तार्किक उत्तर
	No Credit	: असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	: (ख) फुटबॉल व बैडमिंटन
	No Credit	: अन्य विकल्प
5.	Full Credit	: 60
	No Credit	: अन्य संख्या

प्रतिमान 10

स्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 8	भाग - 2
पाठ का प्रकार - संवाद	उप विषय (concept) : गांव व शहर	
सीखने के प्रतिफल : 812. विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/ सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं। 814. अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं। 818. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं। जैसे:- विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना।		

एक दिन राह चलते हुए गाँव और शहर आपस में टकरा गए।दोनों को अपनी-अपनी खूबियों पर गर्व था। इस लिए दोनों में भेंट होते ही बहस छिड़ गई। प्रारम्भ में दोनों के बीच तकरार हुई लेकिन अंत सुखद रहा। आइए दोनों का वार्तालाप सुनें।

गाँव :- कहो भाई शहर! बहुत सीना तान कर चल रहे हो। क्या बात है?

शहर :- तो क्या अपनी शेखी बघारने से तुम मेरे बराबर हो जाओगे? तुम्हें क्या पता कि शहर में रहने वालों का जीवन कितना सुखमय, सुविधा संपन्न और आमोद-प्रमोद से पूर्ण होता है। गांवों को अब गाँव वाले ही नहीं पूछते। सब मेरी ओर भाग रहे हैं।

गाँव :- भाई, तुम तो जानते ही हो कि भारत गाँवों का देश है ।अब यह भी जान लो वो कि गाँव अब पहले के गाँव नहीं रहे। इनका रूप तेज़ी से बदल रहा है। गाँव के निवासियों की जीवनशैली में भी परिवर्तन आ रहा है ।

शहर :- हाँ ,बहुत परिवर्तन आ रहा है। गाँव के लोग अब भी पिछड़े हुए हैं। न उनके पास विचार है और न ही उन्नति की नई योजनाएं।

गाँव :- अरे भाई! देश को एक से बढ़कर एक कवि, लेखक, कलाकार, सामाजिक नेता, देशभक्त, समाज-सेवक गाँव ने ही दिए हैं । गाँव के लोक-नर्तक और लोक-गायक भारत की संस्कृति की पताका विदेशों में फहरा रहे हैं और तुम हो कि गाँव को पिछड़ा हुआ कहते हो। तुम्हारे ये एक गगनचुम्बी भवन उन्हीं के अनपढ़ हाथों से बनाए गए हैं। खदानों से खनिज सम्पदा उन्होंने ही निकाली है। तुम्हारे कल-कारख़ाने उन्हीं के बलबूते चल रहे हैं। तुम्हारी सड़कों पर बसें भी वे ही चला आ रहे हैं। पुलिस और सेना उन्हीं के बल पर देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा की बागडोर संभाले हुए हैं। न भाई न, इतने कृतघ्न न बनो। वैसे दशा गाँव की भी सुधर रही है। इस से हम दोनों के बीच का अंतर घटता जा रहा है।

शहर :- सच्चाई तो यह है कि बहुत समय पहले मैं भी एक छोटा सा गाँव था और धीरे-धीरे बढ़ने से आज मेरा यह रूप बन गया है। हम दोनों की प्रगति से ही राष्ट्रीय विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। मेरी उन्नति तुम्हारी उन्नति से जुड़ी हुई है। वैसे भी तुम मेरे बड़े भाई हो।

गाँव :- ये हुई न बात! भैया, हम दोनों सदा से एक दूसरे के पूरक रहे हैं।मेरी परिश्रमशीलता बनी रहे और तुम्हारी कार्यकुशलता और वैज्ञानिक दृष्टि। तुम भी बने रहो और मैं भी बना रहूँ। जियो और जीने दो-यही तो समाजवाद है। सर्वे भवन्तु सुखिनः। अच्छा भाई,मैं तो चला खेतों की सैर करने और तुम संभालो अपने कारखानों को। बस, एक अंतिम प्रार्थना है कि पश्चिम की चटक मटक की नक़ल में भटक मत जाना और प्रगति की चकाचौंध में मुझे भूल मत जाना। याद रखना कि भारत की आत्मा गाँवों में ही निवास करती है।

1. समाजवाद से आप क्या समझते हैं?

क)निजी विकास　　ख) सबका विकास

ग) एक दूसरे में प्रतिस्पर्धा　　घ) केवल संस्कृति का विकास.

2. सामाजिक दृष्टि से गाँवों ने हमें क्या-क्या दिया है?

3. शहरों में गगनचुम्बी इमारतें होती हैं। मान लो, ऐसी इमारत जो आठ मंज़िला है, उसकी एक मंज़िल से दूसरी मंज़िल तक जाने के लिए 13 सीढ़ियों का प्रयोग होता है। पाँचवी मंज़िल पर जाने के लिए कुल कितनी सीढ़ियों का प्रयोग होगा?

4. ग्रामीण अधिकतर साइकिल का प्रयोग करते हैं, शहरी मोटर वाहनों का । मान लो एक ग्रामीण ने 4000 रुपये में साइकिल ख़रीदी। दूसरी ओर शहरवासी ने 48,000 रूपये की मोटरसाइकिल। मोटरबाइक साइकिल से कितनी रुपये मंहगी है?

5. भावनात्मक दृष्टि से गाँव व शहरी जीवन में क्या अंतर है? अपने विचार लिखें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तार्किक	सरल
4	विश्लेषण	तार्किक	सरल
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1. Full Credit : सबका विकास

No Credit : अन्य विकल्प

2. Full Credit : (कोई दो) संस्कृति, संस्कार, लोक संस्कृति, प्यार व स्नेह, भाईचारा

No Credit : असंगत/ अस्पष्ट

3. Full Credit : 65

No Credit : अन्य उत्तर

4. Full Credit : 4400 रूपए

No Credit : अन्य संख्या

5. Full Credit : (कोई एक) गांववासी : सरल स्वभाव के/

शहरवासी : बनावटी स्वभाव के

गांव : आपसी भाईचारा /शहर: स्व केंद्रित

गांव : दुख सुख में साथ/

शहर : दुख-सुख में शामिल न होना (कोई अन्य उचित तर्क)

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर